

अनमोल रिश्ता

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय

गुड़वा, सीतागढ़, हनारीबाग (झारखण्ड)

New College Building Under Construction



द्वितीय
संस्करण



Teaching Staff



Editorial Board



Student Editorial Team

प्राचार्या की कलम से...✍



प्राचीन काल से ही गुरु (शिक्षक) का महत्व रहा है। सभी धर्मों के धर्मग्रंथ में गुरु की महिमा गायी गयी है। सचमुच गुरु का स्थान सर्वोच्च है। सबसे महान है। कबीर दास ने गुरु की महत्ता बतलाते हुए कहा है—

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय।

बलिहारी गुरु अपनों, जिन दियो गोविन्दो बताए।।

अर्थात् गुरु और भगवान साक्षात् में सामने आ जाएँ तो पहले किसका चरण स्पर्श करूँ इसमें बतलाया गया है कि पहले गुरु का क्योंकि गुरु श्रेष्ठ है जिन्होंने हमें भगवान के बारे में ज्ञान दिया।

इस महान पद पर आसीन सभी शिक्षक इस पद की महानता पर गौर करें और तदनुरूप कार्य करके इस पद की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखें।

प्रशिक्षणार्थियों में रचनात्मक क्षमता विकसित करने के लिए पत्रिका प्रकाशन अच्छा प्रयास है।

हमारे महाविद्यालय में पहले भी इस प्रकार की पत्रिका का प्रकाशन किया गया है लेकिन किसी कारणवश उसे जारी नहीं रखा जा सका।

प्रशिक्षणार्थियों द्वारा इस प्रकार का रचनात्मक प्रयास वृहद समाज के लिए शिक्षण का एक महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षकों को इस प्रकार की रचनात्मकता द्वारा सह-शिक्षण एवं वृहद शिक्षण को जारी रखने की आवश्यकता है इस हेतु ढेर सारी शुभकामना।

Gulab Lakra (Principal)

संपादक मंडल की कलम से.....✍

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, गुड़वा, सीतागढ़, शिक्षक प्रशिक्षण का प्रतिष्ठित संस्थान है, जो विगत छः दशकों से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण तथा गुणात्मक विकास के लिए प्रयत्नशील है।

भारत का भूभाग अपने में विविधता में एकता को समेटे हुए है। इस महाविद्यालय में भी शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, कला, दर्शन, विज्ञान आदि विषयों की अभिव्यक्ति होती रही है। विविध भाषाओं का शिक्षण तथा प्रशिक्षण यहाँ परिलक्षित है।

परस्पर सहयोग, त्याग, सत्य, अहिंसा, राष्ट्र भक्ति जैसे गुणों का नैतिक महत्व पूर्व की अपेक्षा आज अधिक माना जा रहा है। इन गुणों के विकास के लिए प्रशिक्षण अति महत्वपूर्ण है। किसी भी ज्ञान तथा पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों तक पहुँचाने हेतु शिक्षक की मध्यस्थता आवश्यक होती है। साथ ही शिक्षा को सरल, सहज, सुगम, सुरुचि तथा सुग्राह्य बनाने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

“अनमोल रिश्ता” पत्रिका का यह द्वितीय संस्करण शिक्षा के विकास की भावना के साथ प्राशिक्षणार्थियों के सोच, उनके रचनात्मक कौशल तथा सृजनात्मक शक्ति से परिचय कराता है। अध्ययाताओं को सजनात्मक तथा भावनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करता है।

महाविद्यालय की इस त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन में प्राचार्या, व्याख्याताओं तथा प्रशिक्षणार्थियों के सराहनीय, अतुलनीय व प्रशंसनीय भूमिका के प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ।

मुख्य संपादक

लालदेव प्रसाद गुप्ता

सहायक संपादक

वाल्टर टोप्पो, अनिल सोरेंग,
सबीता कुमारी, प्रमीला डुंगडुंग,
दीपा करुणा लिंगा, पुनीत मिंज,
अल्का आरती नगेशिया

शिक्षक सलाहकार

डोली लकड़ा, नीरज कुमार
फा० श्याम किशोर टुडू
फा० भिन्सेंट हंसदा

छायाचित्रण

प्रदीप बिलुंग



महाविद्यालय परिचय

यह प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, हजारीबाग येशु समाज के द्वारा सन् 1958 ई. में एक अल्पसंख्यक ईसाई संस्था के रूप में स्थापित हुआ। इस महाविद्यालय के जन्मदाता फा० डी० मोल्डर हैं। संत इग्नासियुस लोयोला द्वारा सन् 1540 ई. में येशु समाज की स्थापना की गई। तब से ये धर्म समाज शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में विश्वविख्यात है। हजारीबाग जेसुईट एजुकेशनल सोसाइटी ने समाज शिक्षा को ध्यान में रखते हुए इस महाविद्यालय की स्थापना की।

23 जुलाई 1958 ई. में बिहार के गवर्नर डा० जाकिर हुसैन जो एक मूल शिक्षा पद्धति के संस्थापक थे, जो इस संस्था का दर्शन किये एवं उनके अथक प्रयास द्वारा शिक्षा विभाग ने मान्यता दी। 15 प्रशिक्षणार्थियों के साथ शिक्षक शिक्षा संस्था जुलाई 1958 ई. में शुरू किया गया। इस समय इसके प्राचार्य फा० जे० डी० पेयरी एस० जे० थे। सन् 1960 ई. में फा० माईकल ईथर ने प्रशिक्षणार्थी, कर्मचारियों के समस्या को कल्याण विभाग तक पहुंचाया एवं महाविद्यालय में कृषि कार्य को जोर दिया।

फा० समरटन ने 1967 ई. में द्वितीय सत्र के लिए फा० पीटर का अनुकरण किया। उन्होंने दृढ़ संकल्प लिया और कहा कि जो भी शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे उन्हें गाँवों में जाकर सामाजिक चेतना के लिए काम करना है। फा० ओ० एस० ने शिक्षा के साथ – साथ कृषि कार्य पर बल दिया।

जनवरी सन् 1970 ई. में फा० याकूब तिकी प्राचार्य बनें और उन्होंने हॉली क्रॉस की धर्मबहनों को निमंत्रण दिया। ये धर्मबहनें अभ्यास मध्य विद्यालय में स्थानीय बच्चों को पढ़ाने का काम करती थीं। इसके बाद जुलाई सन् 1974 ई से 15 लड़कियों को भी इस महाविद्यालय में प्रशिक्षण मिलने लगा। इस समय प्राचार्य फा० माईकल ईथर दूसरी बार बने। इसके बाद वे पटना में आयोजित राज्य शिक्षा संस्था कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए। वापस आने के बाद उन्होंने गणित विषय पर जोर दिया एवं कैथोलिक बच्चों को धर्म शिक्षा देने के लिए धार्मिक पुस्तकों का प्रबंध किया।

यह महाविद्यालय छात्रों और विशेषकर काथलिक लड़के – लड़कियों को धार्मिक बौद्धिक, नैतिक,

शारीरिक, सांस्कृतिक एवं व्यवसायिक शिक्षा देकर उन्हें सर्वगुण संपन्न शिक्षक – शिक्षिका बनाने का उद्देश्य रखता है। यहाँ इस तरह की शिक्षा दी जाती है कि प्रशिक्षणार्थी में शिक्षक, शिक्षिकाएँ जैसे मानवीय गुणों से सुसज्जित अपने सदाचरणों द्वारा, विवेक और सुबुद्धि का प्रयोग कर समर्पित भाव से अपने ग्रामीण भाई – बहनों का सही नेतृत्व कर उन्हें विकासोन्मुख बनाने में सफल होंगे। वर्तमान में इस महाविद्यालय में अंग्रेजी शिक्षा के साथ – साथ तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। दोनों ही छात्रावास (महिला/ पुरुष) में शिक्षणार्थी एक दूसरे को सदा सहयोग देते हैं। यहाँ सहचर शिक्षा भी शिक्षणार्थियों को एक साथ बढ़ने में मदद दे रही है। जिसे फादर रोबर्ट सलैटरी एस.जे. ने शुरू किया था। स्टाफ गाइड के साथ प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न दलों में बाँटा गया है जिसमें व्यक्तिगत और सामूहिक परामर्श दिया जाता है। यह प्रत्येक शुक्रवार को दो घंटियों में होती है।

यह महाविद्यालय झारखण्ड अधिविद्य परिषद् राँची द्वारा संबद्धता और एने. सी. टी. ई. द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा नया पाठ्यक्रम महाविद्यालय में चल रहा है।

इस महाविद्यालय का आदर्श वाक्य “पर हिताय नरः नारी” है।



अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	रचनाकार
1.	गणतंत्र दिवस	पुनित मिंज
2.	मेरा अनुभव	सागर कुमार
3.	Sports Day: Report	Noel Toppo
4.	An Educational Tour (First Year)	Anjna Rose Minj
5.	शैक्षिक भ्रमण का महत्व	अमोद किस्पोट्टा
6.	Science Exhibition	Innocent Baa
7.	विज्ञान ने कहा— सावधान	लालदेव प्रसाद गुप्ता
8.	महिला दिवस	एडलिन केरकेट्टा
9.	माँ	सपना कुमारी
10.	An Educational Tour (Second Year)	Shahid Anwar
11.	College Day (Poem)	Aman Kujur
12.	महाविद्यालय दिवस	सपना राणा

गणतंत्र दिवस

माह जनवरी छब्बीस को
हम सब गणतंत्र दिवस मनाते हैं
पी . टी . ई . सी में भी तिरंगा फहराकर
गीत खुशी के गाते ।

मिस्सा बलिदान मे देशवासियों
के लिए दुआएँ माँगते ।
तिरंगे के सम्मान में
हम सब शीश झुकाते ।

राष्ट्रीय गान गाते
अनेकता मे एकता का पाठ करते ।
हम सभी कदम से कदम मिलाकर परेड करते ।
गणतंत्र दिवस को
आन बान और शान से मनाते ।

हम पी. टी. ई. सी वासी
गणतंत्र दिवस के अहमियत लोगों को बताते ।
इस दिन वक्ता भाषण देते ।
संविधान की अहमियत बताते ।

दुनिया में भारत को,
संविधान ने नव गणतंत्र
का पहचान दिलाया
भारत वासियों का इससे है गहरा नाता ।

इस दिन पी .टी . ई .सी में
होते विभिन्न कार्यक्रम
सब दिखलाते भारतीय एकता ।

सोने वालों अब जागो नींद से
भाषा के नाम पर लड़ना छोड़ो
जाति के नाम पर झगड़ना छोड़ो ।
धर्म के नाम पर बटना छोड़ो
सब एक सूत्र मे बंध जाओ ।

भ्रष्टाचार को दूर भगाओ,
ऊँच – नीच अमीर गरीब के बीच दूरियां घटाओ
ऐसा कुछ कान्ति लाओ
भूखा न सोये कोई
साक्षर हो भारत में हर कोई
तब बनेगा सपनों का भारत
तब कहलायेगा हमारा भारत महान ।

जय हिन्द



Punit Minj
Second Year
(Session 2016-18)

मेरा अनुभव

टी0 टी0 आई0 परिवार देता है
पूरे जीवन का प्रशिक्षण
कराता है जीवन का उद्धार
मिलता है लोगों का प्यार



जुडे रहते हैं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से
बनाए रखते हैं संस्कृति और सभ्यता को
यादें हैं बीते कल की
संजोए हैं फल बीते कल की ।

कदम – कदम हर कदम
मार्गदर्शक बन जाते हैं हमारे शिक्षक
शत् नमन, अगुआ बन हमारे
सत्य राह, मंजिल तक पहुँचाते ।

Sagar Kumar
Second Year
(Session 2016-18)

Sports Day : Report

Sports day is a day of honouring and awarding the talented students who are participating in sports inside the campus. Intramural tournaments are helpful to reduce stress, enhance the leadership quality and good way to know one's own talent. For that the college conducts house wise intramural tournaments in four disciplines for the men and women separately. On the 5th February 2018 our college hosted annual sports day meet. The annual sports meet started with the arrival of the chief guest Mrs Vandana Dadel , the commissioner of North Zone Hazaribag, who was warmly welcomed by the students through a cultural dance the meet was followed by the inter house march past, a highly competitive event.



The college march past was led by Kalbeer Xalxo the college captain, was a magnificent display of discipline, coordination and the different squads of the various houses – Lievens: green, Loyola: yellow, Britto: blue and Xavier: pink which was followed by the oath taking ceremony led by the athletic captain Mr Amit Hansdak. The chief guest Mrs Vandana Dadel addressed the gathering congratulating them on the 58th annual athletic meet and encouraged us to continue in the development of our mental and physical strengths including discipline and moral values.

The trainees performed beautiful drill with the drum. The games organised for the parents and ex-students saw an impressive participation. At the end of the day students departed with a clear smile on their faces and the house champion Loyola House, Xavier house stood in the second position Livens house third and Britto house in the fourth position.

It was a day filled with sportsmanship, enthusiasm and memories to cherish. The principal of this esteemed institution Mam Gulab Lakra thanked all teachers for their cooperation, support and advised the students to keep up their sports man spirit.

Noel Toppo

Second Year (Session 2016-18)



An Educational Tour : Report



Amango full of sap is unknown and incomplete until it is tasted by someone. Likewise the bookish knowledge is incomplete until the genuine things are seen and experienced visibly. Education tour is the source of gaining lots of knowledge; and also it is one of the parts of teaching aids, which helps us to grasp the subject matter and makes education interesting.

We the trainees of Primary Education College , Gurwa, Sitagarh, Hazaribag went to Kolkatta for two days of excursion on 7 February 2018. In the evening, we got on the bus very happily. We reached our respective place at Bachbach in Kolkatta the following morning. There a nice accommodation was arranged by the Carmel sisters generously in their school itself. As we were so much excited about the tour we got ready soon and proceeded towards our next plan that was Visiting of Victoria Memorial hall, Planetarium St. Paul Cathedral, Indian Museum and Botanical Garden, The second day we visited St. Mother Teresa's Convent, Science City and Zoological park.

Victoria Memorial hall is very beautifully made of white marble. It was established in the year 1912 and was constructed in honour and memory of Queen Victoria of England there are art and craft of the time of Mugal also there. There are beautiful statues of many Governor Generals and their arts, paintings and weapons. All these properties are kept very safely.

I was impressed looking at the royal dress of Queen Victoria. I felt very lucky of myself getting that golden opportunity to visit St. Mother Teresa's monastery where she could hear the voice as well as the cry of poor, homeless lepers and needy people and totally surrendered herself to God and served his people lovingly . In that holy place I felt inner peace and joy and a quote of the Bible St. Mathew 25:40.



“Whatsoever you do to the least of my people that you do unto me” and felt extremely happy.

During excursion I learnt managing of the time to lead the group to be in the community and to help each other, having all these experiences we started to get back to Hazaribag on 9th February 2018. I enjoyed singing on the journey and I liked delicious food and refreshment provided to us we reached back on 10th February 2018 in the morning.

Anjna Rose Minj

First Year (Session 2017-19)



शैक्षिक भ्रमण का महत्व

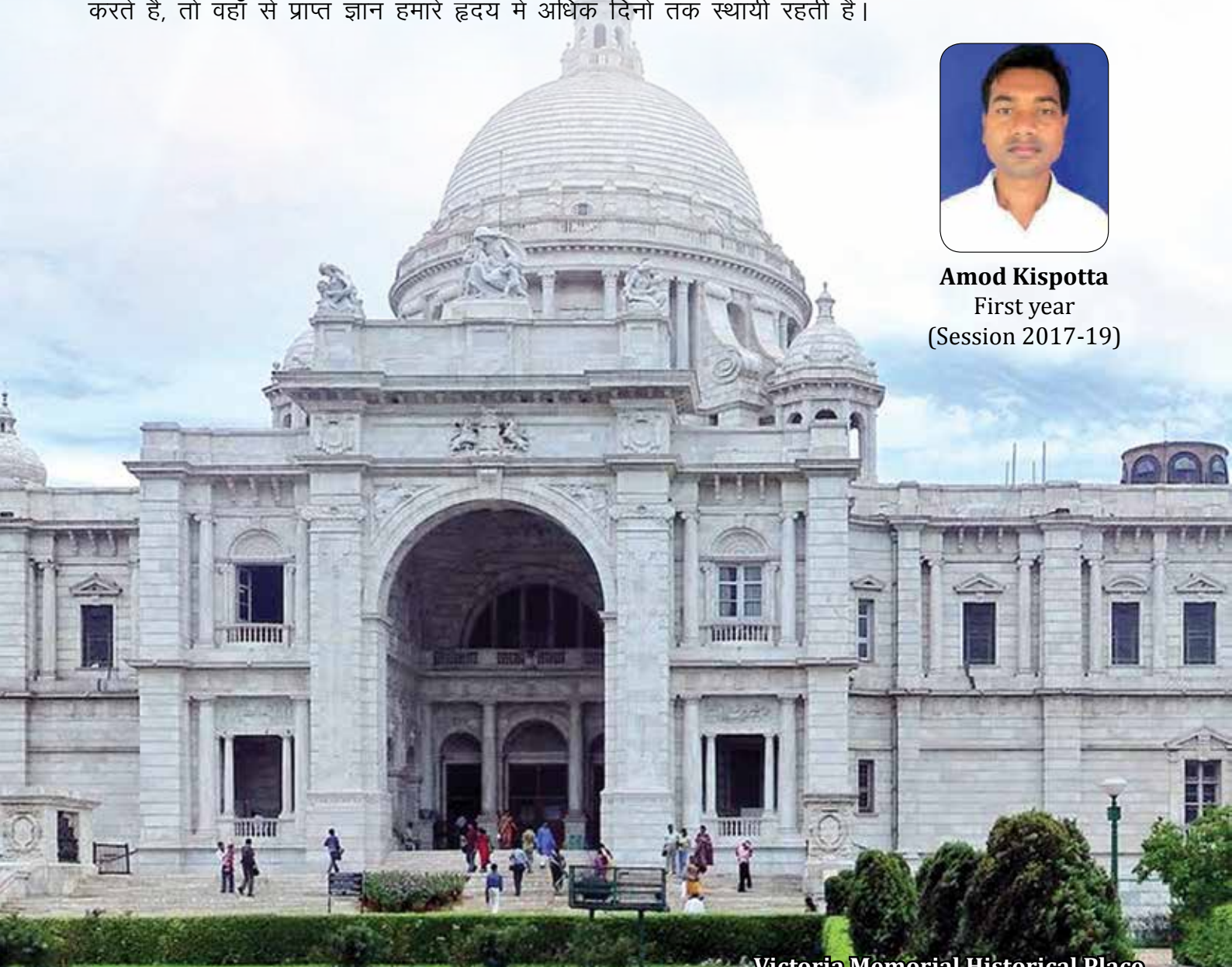
सीखने की भावना और ज्ञान पाने के साथ कोई यात्रा शैक्षणिक हो सकती है। मनोरंजन के माध्यम से सीखना शिक्षा का सबसे अच्छा माध्यम है। प्रत्येक दिन के काम से हमें राहत देने के अलावा शैक्षिक यात्रा हमारे मानसिक स्थिति को सुदृढ़ करती है।

शैक्षिक भ्रमण का शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है। शैक्षिक भ्रमण से हम प्रकृति की सुन्दरता से रु-ब-रु होते हैं, मानव की सुन्दर कलाकृतियों से परिचित होते हैं साथ ही साथ कुदरत की कुछ रहस्यों से भी परिचित होते हैं जिससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होती है। शैक्षिक भ्रमण से एक ओर जहाँ हमें आनन्द की प्राप्ति होती है, वहीं दूसरी ओर इससे हमें ज्ञान की भी प्राप्ति होती है।

ज्ञान तो पुस्तकों से भी प्राप्त किया जाता है, लेकिन जब हम किसी स्थान का भ्रमण कर ज्ञान प्राप्त करते हैं, तो वहाँ से प्राप्त ज्ञान हमारे हृदय में अधिक दिनों तक स्थायी रहती है।



Amod Kispotta
First year
(Session 2017-19)



Victoria Memorial Historical Place

Science Exhibition Report

We had a science exhibition held at our college. We were divided into 26 groups; student had to present their models in the form of electronic, environment, science in daily life, science involved in natural calamities and so on. Separate places were allotted to each group. First of all exhibition was inaugurated by C. Panna, who was guest of the day. After sometimes our chief guest along with the teachers came to our places and we gave an explanation with some fear, after sometimes the students of Primary Teachers Teaching Practice school children came to see our models , after that the students of St. Xavier's School, Sitagarh came to visit our models.



Experience: - My experience during science exhibition was that, I had a group and we had to make water purifier and presenting this model. We tried to show how we can make dirty water useable water. I experienced during science exhibition that all the students worked hard to prepare their models, and learnt so many new things for life.

Innocent Baa

First Year (Session 2017-18)



विज्ञान ने कहा - सावधान !

एक दिन की बात है मैं सोया हुआ था। इसी बीच मैं स्वप्नों की दुनिया में खो गया। मैंने एक स्वप्न देखा कि कमरे में लगा बल्ब अचानक से प्रकाशित हो गया और मेरे कानों में एक अवाज जोर जोर से सुनाई देने लगी सावधान ! सावधान ! और मैं जाग कर बैठ गया। फिर मैंने देखा कि प्रकाशमान बल्ब का टंगस्टन जो पूरी लौ के साथ जल रहा था वह दुनिया से कुछ कहना चाह रहा है जब मैंने उस टंगस्टन से पूछा कि तुम दुनिया से क्या कहना चाहते हो – तो वह बोला – सावधान! मानव, आज तुम मेरे प्रयोग से पूरी दुनिया को उजाला कर रखा है। तुमने जिस विज्ञान का प्रयोग कर मुझे खोजा तथा अन्य उपयोगी चीजों को खोजा है आज तुम उसी विज्ञान का गलत प्रयोग कर रहे हो। आज तुम सब जगह रसायनों का प्रयोग कर रहे हो माता के गर्भ में पल रहे बच्चे को मार रहे हो, गोला बारूद का गलत इस्तेमाल कर रहे हो प्राकृतिक सुंदरता के विभिन्न तत्वों को नष्ट कर रहे हो, मानवता के गुण को भुला कर तुम अपने समतुल्य मनुष्यों को चोट पहुंचा रहे हो साथ ही साथ तुम अनेक प्रकार से विज्ञान का दुरुपयोग कर रहे हो जिसका दुखदायी परिणाम जैसे जलवायु परिवर्तन , सुखाड बमों का प्रयोग से क्षति विभिन्न तरह के रोग, असमय मृत्यु पारिस्थितिक तंत्र का असंतुलन आदि अब तुम्हें मिलने लगा है। इन परिणामों के बावजूद तुम अपने कार्यों से बाज नहीं आ रहे हो। मैं तुम्हें प्शख्त चेतावनी दे रहा हूँ कि हे मानव सावधान हो जाओ अगर तुम विज्ञान का इसी तरह से और इसी गति से गलत प्रयोग करते रहे तो तुम्हारा विनाश बहुत निकट तथा निश्चित है।

फिर अचानक मेरी आँख खुली और मैं जाग गया। जागने के बाद मैंने विचार किया कि टंगस्टन द्वारा बताई गई सारी बातें दूध की तरह स्पष्ट तथा सच है। आज मानव सचमुच में विज्ञान का गलत प्रयोग द्वारा खुद को मौत के मुँह की ओर अग्रसर करता जा रहा है।

अतः मैं सबो से आग्रह करता हूँ कि विज्ञान का सही प्रयोग करें इसका गलत प्रयोग न करें।



Laldev Prasad Gupta
Second Year
(Session 2016-18)



महिला दिवस

माता प्रेम, दया और बलिदान का प्रतीक होती है। वह हमेशा अपने बच्चों एवं वृद्धजनों से बहुत प्रेम करती है। वह अपने बच्चों के लिए कोई भी काम करने के लिए तत्पर रहती है। वह हमेशा अपने बच्चों के लिए त्याग करती है। जब मैं अपनी माँ के बारे सोचती हूँ तो मैं महसूस करती हूँ की मुझे एक आदर्श माँ मिली है। न केवल मेरी माँ बल्कि हर एक जन की माताएँ अपने काम के प्रति निष्ठावान एवं उत्तरदायी होती हैं। वे अपने कर्तव्यों को करते हुए भी अपना महत्वपूर्ण योगदान पुरुषों को देती हैं। माताएँ एवं बहनें इतनी उत्तरदायी होते हुए भी उनका आज समाज में स्थिति अच्छी नहीं है।



दिनांक 08.03.2018 को हमारे महाविद्यालय में माताओं एवं बहनों को आदर सम्मान देने के लिए महिला दिवस मनाया गया। आज उनके लिए महाविद्यालय में छोटी प्रार्थना चढ़ायी गयी। इसका शुभारंभ दीप जलाकर किया गया। जिस प्रकार एक दीपक अपने प्रकाश से अंधेरे में उजाला लाता है, उसी प्रकार महिलाएँ भी एक परिवार को सुमार्ग पर चलाने का काम करती हैं। यदि घर में एक महिला का व्यवहार अच्छा हो तो वह परिवार मानो स्वर्ग है। कहा जाता है कि महिलाओं को एकजुट एवं जागृत करने के लिए महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत एक नर्स के द्वारा किया गया था। आज महिलाएँ मान सम्मान पाने के बजाय शोषित हो रही हैं। उनको इज्जत और सम्मान नहीं दिया जाता है। अतः माता एवं बहनों की महत्ता को समझने के लिए एक छोटा-सा कार्यक्रम भी रखा गया था। कार्यक्रम में संगीत प्रतियोगिता हुई जो माता एवं बहनों से संबंधित थी। सभी दिलों के गाने बहुत अच्छे एवं अर्थपूर्ण थे। गाना का शब्द दिल की गहराई को छू लिया।

आज के कार्यक्रम को देखकर और गाने की बोल सुनकर मैं अपनी बीती बचपन के दिन को याद की। मुझे मेरी माँ के साथ अन्य मताओं की भी जो अपने को विभिन्न कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए भी बच्चों एवं परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल करती हैं। माताएँ दुःखित होते हुए भी अपनी दुःख को ओझिल कर बच्चों को प्यार देती हैं। न केवल परिवार में बल्कि जहाँ भी उनकी आवश्यकता होती है वे हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहती हैं। अपना आहार काटकर भी वो बच्चों एवं वृद्धों की भूख मिटाने के लिए हमेशा तैयार रहती है। दुःख हो या सुख हमेशा मुस्कुराती है।

अतः महिला दिवस माताओं एवं बहनों को आदर सत्कार देने के लिए हमेशा मनाया जाना चाहिए। हमेशा वे अपने कार्यों में व्यस्त रहती हैं, कम से कम एक दिन ही सही उन्हें एक साथ दूसरों से मिलने – जुलने एवं अपनी खुशी को व्यक्त करने का अवसर देना हमारा कर्तव्य बनता है। और न केवल एक दिन लेकिन हमें भी उनकी प्यार, दया, सहानुभूति को समझना आवश्यक है। और उनके साथ जो अन्याय होता है उसे दूर करने का संकल्प हर एक के मन में होना चाहिए।

Edline Kerketta

First Year (Session 2017-19)

माँ

माँ की ममता बहुत प्यारी ।
सबसे सुन्दर सबसे न्यारी ॥

माँ की आँचल में जन्नत का सुख ।
जिसमें हम भूल जाते सब दुःख ॥

अमृत रस पान कराती ।
दृढ़निश्चयी, सामर्थवान बनाती ॥

देती है बच्चों को सुख ।
खुद सहती है सारे दुःख ॥

कितनी सुन्दर कितनी प्यारी ।
कितनी ममतामयी माँ हमारी ॥



Sapna Kumari
Second Year
(Session 2016-18)

Happy Mother's Day
Created by www.wa

An Educational Tour :- Report

The Tour programme of Primary Teachers' Education College , Gurwa Sitagarh was planned for a day. It was a journey from our college to Gaya and Rajgir. We covered Nalanda University in between those two places.

We gathered in college campus with the guidance and company of our principal and other teachers. At first we had breakfast in a hotel after crossing Barhi. We reached our first destination , Bodh Gaya at about 10:30 am.



BODH GAYA



The Bodh Gaya , a UNESCO world heritage site , is an ancient , but much rebuilt and restored , Buddhist Temple in Bodh Gaya , marking the location where the Buddha is said to have attained enlightenment. The site contains a descendent of the Bodhi tree under which Buddha gained enlightenment , and has been a major pilgrimage destination for Buddhists for well over two thousand years , and some elements probably date to the period of Ashoka.

We saw Bodhi tree, candle house, a pond and a beautiful statue of Buddha which is decorated by shining stones and light. We also saw the whole campus which was peaceful and looks very nice.

NALANDA UNIVERSITY

Nalanda was an acclaimed Mahaveera, a large Buddhist Monastery in the ancient kingdom of Magadha. The highly formalized methods of Vedic learning helped inspire the establishment of large teaching institution such as Taxila, Nalanda which are often characterized as India's early universities. Nalanda was very likely ransacked

and destroyed by an army of the Mamluk dynasty of the Delhi sultanate under Bakhtiyar Khilji in 1200ce.

After reaching Nalanda we saw a museum beside Nalanda University where old relics of Nalanda University were kept. Then we went to Nalanda University and saw what was left of Nalanda University building. There we saw designs of Monastery, was small rooms, corridors, store rooms etc. we were provided a guide who explained about history of Nalanda University.

RAJGIR

After visiting Nalanda University we reached Rajgir. There we saw Garam Kund. There were many kunds but we visited only one. The kund was situated on the hill. We washed our hands and feet there; the water was really hot! Really we enjoyed the tour and journey by bus with teachers and friends during journey we took our food together which I felt much cheerful. We saw various things and scenes. We also saw a road on the way which was made by breaking the mountain and the road was made by the man named Dasrath Manjhi.



Shahid Anwar

Second Year (Session 2016-18)

College Day

Here comes the college day
Bringing forth every where the fragrance of joy.
The bells are rung, the birds start chirping
As the day begins whole atmosphere starts singing.

Behold the college mostly known in its perfection
celebrates its birthday with high definition
definition to be men/women for other
congratulates each other to be India's future

The corridors filled with bed of roses
gives a warm smile like the moon.
Witnessing its perfection guests get together
Appreciate everything joyfully super duper

The opportunities are discovered here
Moral values are taught here
It produces the society makers
Being available to the open world

Academically our college is sound
With the trainees from the ground
It helps us attain the goals of our life
And wishes us success in our daily life



Aman Kujur

First Year (Session 2017-19)



महाविद्यालय दिवस

है उमंग है तरंग
संत जोसेफ संरक्षक के संग
तन मन धन अपना सँवार ले
महाविद्यालय दिवस मना ले।

उन्नत प्रशिक्षण महाविद्यालय की शान
प्रशिक्षार्थी बन हम पाते सम्मान

पहला चरण अद्वितीय ईश्वर को नमन
दूजा हो नाच गाने का संगम।
गुजराती, फिल्मी, नागपुरी, मलयालम
नाच का समागम खूब नाचे छमा-छम।

आया वो क्षण, जिसका था बेसबरी से इंतजार
'काजल का जादू' महानाटक था उसका नाम।
आईना है हमारे समाज का साधू-नेताओं
के भेड़िये चाल का
सावधान हो हे युवा इन विध्वंसकों से
राह पकड़ उस दिशा का जो बनाए उन्नत
भविष्य, उन्नत समाज।



Sapna Rana
Second Year
(Session 2016-18)



चुल्कुला



टीचर : कल मैं सूरज पर लेक्चर दूँगी कोई भी क्लास मिस मत करना।

गोलू : लेकिन मैं नहीं आ पाउँगा मैम।

टीचर : क्यों?

गोलू : मेरी मम्मी इतनी दूर नहीं जाने देंगी।



टीचर : इतने दिन कहाँ थे.....?

पप्पू : बर्ड फ्लू हो गया था

टीचर : पर ये तो बर्डस को होता है इन्सानों में नहीं...!

पप्पू : इन्सान समझा ही कहाँ है आपने, रोज तो मुर्गा बना देते हो....!!



Photo Gallery 2018-19



Second Year Group Photo (2016-18)



First Year Group Photo (2017-19)

College Activities 2018



JAC Inspection 12/01/2018



Republic Day 2018



Annual Sports 05/02/2018



First Year Educational Tour (Kolkata)

College Activities 2018



Science Exhibition 28/02/2018



Womens' Day 08/03/2018



Second Year Educational Tour



College Day 19/03/2018